H5N1 रीअसॉर्टेंट वायरस

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में **कंबोडिया में H5N1 बर्ड फ्लू वायरस** के **नए रीअसॉर्टेंट** के मानव संक्रमण से जुड़े मामले सामने आए हैं।

- **क्लेड 2.3.2.1c,** जो दक्षिण-पूर्व एशिया में प्रसारित हो रहा था, **वैश्विक क्लेड 2.3.4.4b** के साथ मिश्रित होकर नए **रीअसॉर्टेंट वायरस** का निर्माण करता है।
- **H5N1** कई **इन्फ्लूएंज़ा वायरसों** में से एक है, जो पक्षियों में अत्यधिक संक्रामक **श्वसन रोग उत्पन्न करता है, जिसे एवियन इन्फ्लूएंज़ा (या "बर्ड फ्लू") कहा जाता है।**
- **H5N1 बर्ड फ्लू की** पहचान सबसे पहले वर्ष **1996 में चीन** में **गीज़ में हुई थी।**
  - यह **उन लोगों को संक्रमित कर सकता है** जो **संक्रमित पशुओं या उनके उपोत्पादों** (जैसे- कच्चा दूध) के संपर्क में रहते हैं, जैसे- डेयरी कर्मचारी।
- यह वायरस संक्रमित **स्तनधारियों से मनुष्यों में तो संचारित हो सकता है, लेकिन मानव-से-मानव में नहीं**।
- इन्फ्लूएंज़ा वायरस एक **सिंगल-स्ट्रैंडेड RNA वायरस** है जिसमें **लिपिड-युक्त आवरण होता है**।
- मौसमी इन्फ्लूएंज़ा के टीके **मानव H5N1 वायरस जैसे पशुजनित इन्फ्लूएंज़ा A वायरस के संक्रमण से सुरक्षा प्रदान नहीं करते हैं,** क्योंकि टीके मुख्य रूप से मौसमी मानव इन्फ्लूएंज़ा वायरस उपभेदों को लक्षित करने के लिये डिज़ाइन किये गए हैं।

और पढ़ें: H5N1 बर्ड फ्लू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/h5n1-reassortant-virus